भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-75

सोमवार, 18 नवम्बर, 2019/27 कार्तिक, 1941 (शक)

अनौपचारिक क्षेत्र का रोजगार

75. श्रीमती माला रायः

क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान अनौपचारिक क्षेत्र में कितने लोगों को नियोजित किया गया है; और

(ख) अनौपचारिक क्षेत्र में नौकरियों पर विमुद्रीकरण के क्या प्रभाव पड़े हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री संतोष कुमार गंगवार)

(क) एवं (ख): राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 2017-18 के दौरान आयोजित किए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के परिणामों के अनुसार, गैर-कृषि एवं एजीईजीसी क्षेत्रों (एजीईजीसी क्षेत्र की कवरेज है-फसल उगाने को छोड़कर कृषि क्षेत्र, बाजार बागबानी, उद्यान-विज्ञान एवं पशुपालन सहित, फसलों को उगाना) में कार्य पर लगे कामगारों का प्रतिशत सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) के आधार पर अनौपचारिक क्षेत्र में मालिकाना एवं भागीदारी उद्यम में 68.4% था।

इसके अलावा, वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) तथा श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा आयोजित किए गए रोजगार-बेरोजगारी संबंधी वार्षिक सर्वेक्षण के परिणामों के अनुसार, 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की सामान्य स्थिति (प्रमुख स्थिति+सहायक स्थिति) आधार पर उपलब्ध सीमा तक अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात नीचे दिया गया हैः

राज्य	पीएलएफएस	श्रम ब्यूरो के सर्वेक्षण	
	2017-18	**2015-16**	**2013-14**
अखिल भारत	**46.8%**	**50.5%**	**53.7%**

(टिप्पणीः पीएलएफएस एवं श्रम ब्यूरो सर्वेक्षण में सर्वेक्षण की कार्य-पद्धति तथा प्रतिदर्श का चयन अलग-अलग है।)

*****